राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight Jagran.com

दंगल गर्ल ने छोड़ा बॉलीवुड कहा, ईमान से भटक गई थी

>> 5

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 21

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 1 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

अबकी बार मिशन मोड में जल संरक्षण

मन की बात ▶ प्रधानमंत्री मोदी की जनता से देशव्यापी अभियान चलाने की अपील

जनशक्ति4जलशक्ति के हैशटैग के साथ नरेंद्र मोदी एप पर जानकारी मांगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को सही राह दे चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में जल संरक्षण के लिए भी हर किसी से मिशन मोड में सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि हर साल देश के कई हिस्से जल संकट से प्रभावित होते हैं। फिर भी हर साल वर्षा जल का केवल आठ फीसद पानी ही हम देश में संरक्षित करते हैं। अब वक्त आ गया है कि समस्या का समाधान निकाला जाए।

सत्ता में दोबारा लौटने के बाद रविवार को प्रसारित अपने पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण से जुड़ी तीन अपीलें कीं। उन्होंने फिल्म और मीडिया जगत से लेकर खेल और धार्मिक संगठनों तक से इसे जन जागरण का रूप देने का आग्रह किया। साथ ही जल संरक्षण के पारंपरिक तौर तरीके और इस काम में जुटे लोगों, गैर सरकारी संगठनों आदि के बारे में जानकारी साझा करने की अपील की ताकि एक डेटाबेस तैयार किया जा सके।

बहरहाल, जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता में भी सबसे ऊपर है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्षा जल संरक्षण के लिए उन्होंने देश के सरपंचों और प्रधानों को पत्र लिखा था। 22 जून को हजारों पंचायतों में लाखों लोगों ने श्रमदान किया। अब जरूरत है इसे देशव्यापी बनाने की। उन्होंने अनुरोध किया कि पूरा देश इक ट्ठा होकर इसे आगे बढ़ाए।

उन्होंने अलग-अलग क्षेत्र की हस्तियों से जल संरक्षण के लिए अनोखे अभियान का नेतृत्व करने का आग्रह किया। जल संरक्षण के लिए कई तरीके अपनाए जाते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भी साझा करने की अपील की और उनके बारे में भी जानकारी मांगी जो विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए कुछ न कुछ काम कर रहे हैं। जनशक्ति4जलशक्ति के हैशटैग के साथ प्रधानमंत्री ने नरेंद्र मोदी एप पर जानकारी मांगी है। जाहिर है कि नई सरकार जल संरक्षण को लेकर सबसे ज्यादा तेज कदम बढ़ाती दिखेगी।

मन की बात बगैर खालीपन था : आम चुनाव के कारण रुके 'मन की बात' कार्यक्रम के बगैर खालीपन महसूस करने की बात प्रधानमंत्री ने आम जन से साझा की। उन्होंने चुनाव के बाद जनता से पहले अनौपचारिक संवाद में उन्हें उनका साथ देने के लिए आभार प्रकट किया। मोदी ने जनता-जर्नादन का धन्यवाद यह कहकर किया कि 'आप ही मुझे लाये हैं, आपने ही मुझे यहां (पीएम पद पर) बिठाया है। आपने ही मुझे एक बार फिर से बोलने का मौका दिया है।' उन्होंने कहा कि जब फरवरी में मैंने अगले कुछ महीनों में आप लोगों से फिर संवाद करने की बात कही थी, तो लोगों ने इसे मेरा अति आत्मविश्वास माना। हालांकि मुझे हमेशा से भारत की जनता पर भरोसा रहा है। उन्होंने कहा कि आप लोगों से अनौपचारिक बातचीत 130 करोड़ लोगों के परिवार का अहसास कराती है। उन्होंने अपने केदारनाथ मंदिर की यात्रा करने पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि राष्ट्र से बात न कर पाने से हुए खालीपन को दूर करने के लिए ही मैं वहां गया था।

गूगल गुरू युग में पढ़ें किताबें : मोदी पेज>>3

पहले 'मन की बात कार्यक्रम' में जनता के समर्थन पर आभार जताया

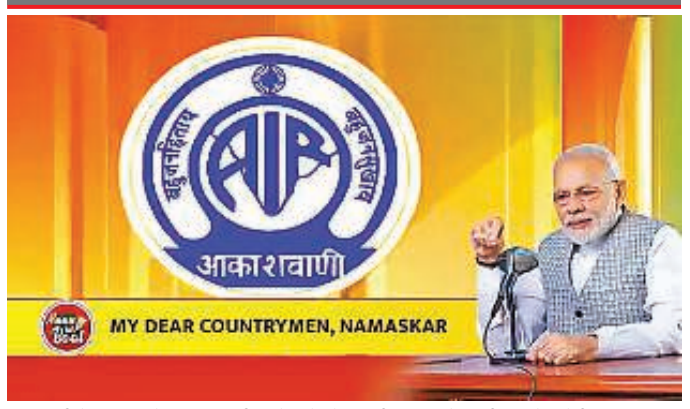

नई दिल्ली में रविवार को आकाशवाणी पर रेडियो शो मन की बात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी। एएनआइ

लोकतंत्र को गंभीरता से लें

भारतीय चुनाव की व्यापकता का अहसास कराते हुए यह भी याद दिलाया कि लोकतंत्र को गंभीरता से लेना चाहिए। इसके जरिए जो अधिकार मिले हैं वह सामान्य नहीं है। इसी क्रम में उन्होंने आपातकाल की भी याद दिलाई और कहा कि उस दौरान सिर्फ राजनीतिक क्षेत्र के लोगों पर ही जुल्म नहीं हुए, बल्कि आम जनता को भी लगा कि उनसे कुछ छीन लिया गया है। उन्होंने परोक्ष रूप से यह संदेश देने की भी कोशिश की कि भारत जैसे देश में बार-बार चुनाव आसान नहीं हैं। ध्यान रहे कि वह एक साथ एक चुनाव की वकालत करते रहे हैं लेकिन विपक्ष के कई दल इसके विरोध में हैं।

सरोकार

महिलाओं के जल प्रबंधन ने बुझाई 78 परिवारों की प्यास

उत्तरकाशी : उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के जामक व जखोल गांव की महिलाओं ने सामुदायिक जल प्रबंधन की अनूठी मिसाल पेश की है। महिलाओं के जल प्रबंधन से 78 परिवारों को पेयजल मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को 'मन की बात' में भी इन महिलाओं के इन प्रयासों को सराहा। (पेज-7)

जागरण विशेष

अमरोहा में कब्रों के बीच गूंजती मां की आरती

उत्तर प्रदेश में अमरोहा जिले का गांव सिहाली गोसाई सांप्रदायिक सद्भाव की अद्भुत मिसाल है। यहां कब्रिस्तान के बीचों बीच मां चामुंडा देवी का मंदिर है तो इससे सटे मजार। पर कभी कोई विवाद नहीं हुआ। दोनों धर्मों के लोगों के बीच पूरा भाईचारा है। (पेज-13)

मानसून के पहले महीने में एक तिहाई कम बारिश

रवि प्रकाश तिवारी, नई दिल्ली : देश में चार महीने के मानसूनी सीजन का पहला महीना रविवार को बीत गया। इस समयावधि में सामान्य से एक तिहाई कम बारिश हुई है। उत्तर भारत का अधिकांश हिस्सा अब भी मानसून के लिए तरस रहा है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मानसून की चाल जल्द सुधरेगी। एक जून से 30 जून तक देशभर में 166.9 मिमी बारिश होनी चाहिए थी लेकिन 112.1 मिमी ही पानी बरसा है, जो कि 33 फीसद कम है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून अभी एक सप्ताह की देरी से चल रहा है। देश का उत्तरी और मध्य हिस्सा अभी तरबतर नहीं हो सका है। मौसम वैज्ञानिकों का आकलन है कि मानसून पांच से सात जुलाई के बीच दिल्ली की दहलीज पर होगा। फिलहाल बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का एक क्षेत्र बन रहा है। अगले दो-तीन दिनों में यह और मजबूत होगा। (पेज-7)

हमारी सरकार

प्रताप चंद्र सारंगी

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन केंद्रीय राज्य मंत्री

सादगी और समाजसेवा की धुन का राही ● पेज 5

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

बेटियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने में बंगाल व उप्र फिसड्डी

नई दिल्ली : बेटियों को आत्मरक्षा के लिए तैयार करने की मुहिम को बंगाल और उत्तर प्रदेश में भारी झटका लगा है। बंगाल में इसे लेकर जहां कोई काम नहीं हुआ है, वहीं उत्तर प्रदेश भी तय लक्ष्य से पीछे है। यहां 45 हजार स्कूलों के मुकाबले सिर्फ 24 सौ स्कूलों में ही छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

अटारी में पकड़ी गई पाकिस्तान से आई 532 किलो हेरोइन

अमृतसर : पाकिस्तान से नशे का आतंक फैलाने के लिए भेजी गई 532 किलोग्राम हेरोइन की खेप शनिवार को इंटीग्रेटिड चेक पोस्ट (आइसीपी) अटारी पर पकड़ ली गई। यह खेप अमृतसर के आयातक गुरपिंदर सिंह ने मंगवाई थी। हेरोइन की यह खेप अब तक सबसे बड़ी रिकवरी है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 10

आइएलएंडएफएस ने बनाई विनिवेश उप समिति

नई दिल्ली : कर्ज से कराहती इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएलएंडएफएस) ने विनिवेश प्रक्रिया के लिए उप समिति बनाई है। कंपनी के निदेशक बोर्ड की 28 जून को हुई बैठक में समिति बनाने का फैसला हुआ था।

क्रिकेट महाकुंभ
श्रीलंका vs वेस्टइंडीज
दोपहर 3:00 बजे से
स्थान : ब्वेस्टर ली स्ट्रीट
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

रूस से अब एंटी टैंक मिसाइल का सौदा

भारत की सोच ▶ अमेरिकी दबाव न मानते हुए किया 200 करोड़ का समझौता

आपातस्थिति में तीन महीने में मिलेंगी मिसाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत के रूस के साथ हथियार खरीद के सौदे जारी हैं। ताजा सौदा एंटी टैंक मिसाइल स्ट्रम अटाका की खरीद का हुआ है। 200 करोड़ रुपये के इस सौदे में रूसी कंपनी को तीन महीने के भीतर मिसाइलों की आपूर्ति करनी होगी। ये मिसाइल एमआइ-35 अटैक हेलीकॉप्टर की फ्लीट में लगाई जाएंगी, जो रण के मैदान में कम ऊंचाई से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम हैं।

स्ट्रम अटाका की खरीद आपातस्थिति के प्रावधान के तहत की जा रही है। इस तरह के सौदों में हस्ताक्षर होने और भुगतान होने के तीन महीने के भीतर माल की आपूर्ति करनी होती है। पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर बालाकोट पर हवाई हमला किया था। अगले ही दिन 27 फरवरी ने जवाबी हवाई हमले की कोशिश की थी। उससे भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध सरीखे हालात बन गए थे। भारत भविष्य में इस तरह के हालात फिर पैदा होने के विषय में सोचकर चल रहा है। इसीलिए वह युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार रहना चाहता है। इसी का नतीजा है कि वह आनन-फानन में स्ट्रम अटाका मिसाइलों की खरीद कर रहा है। रूसी हथियारों की खरीद पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध को न मानते हुए भारत ने यह सौदा किया है। इससे साफ हो गया है कि रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर अमेरिकी दबाव का कोई नतीजा नहीं निकलने वाला। हाल में नई दिल्ली आए अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने पांच अरब डॉलर के इस बड़े सौदे पर दबाव बनाने की कोशिश की थी।

आपातस्थिति में हो सकती है 300 करोड़ की खरीद : पिछले हफ्ते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के लिए आपात खरीद की जरूरतों के बारे में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था, उसी के बाद यह सौदा हुआ है। नए प्रावधानों के तहत तीनों सेनाएं अपनी-अपनी पसंद के हथियार व सामग्री आपातस्थिति के प्रावधानों के तहत खरीद सकती हैं। लेकिन इसके तहत होने वाली प्रत्येक खरीद 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की नहीं होनी चाहिए।

हेलीकॉप्टर में लगी एंटी टैंक मिसाइल स्ट्रम अटाका (फाइल फोटो)

हमलावर वाहनों को बर्बाद करने में हैं सक्षम

स्ट्रम अटाका मिसाइलें टैंक, बख्तरबंद वाहनों और अन्य सैन्य वाहनों पर हमला कर उन्हें बर्बाद करने में सक्षम हैं। इन्हें एमआइ-35 अटैक हेलीकॉप्टर में फिट किया जाएगा। वैसे एमआइ हेलीकॉप्टर का विकल्प अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को बनाने की तैयारी भारतीय वायुसेना ने कर ली है। वायुसेना को अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर की आपूर्ति शुरू हो गई है। भारत इस रूसी मिसाइल को खरीदने की कोशिश करीब दस साल से कर रहा था लेकिन अब आपातस्थिति के प्रावधानों के तहत यह सौदा संभव हो सका है।

विश्व कप में इंग्लैंड ने भारत को कराया हार का अहसास

अभिषेक त्रिपाठी ● बर्मिंघम

- 31 रनों से मैच जीतकर सेमीफाइनल की दौड़ में बना है मेजबान इंग्लैंड
- शमी के पांच विकेट और रोहित का शतक गया बेकार

05 पिछले वनडे में इंग्लैंड ने भारत को चौथी बार पराजित किया

18 पिछले विश्व कप मैचों में भारत की यह दूसरी हार है

इस विश्व कप में अजेय रही दुनिया की नंबर वन भारतीय टीम भी रविवार को मेजबान इंग्लैंड के सामने 31 रन से हार गई। आइसीसी रैंकिंग में नंबर दो पर खिसकी इंग्लिश टीम इस जीत के साथ सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। भारत के सात मैचों में 11 तो इंग्लैंड के आठ मैचों में 10 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया 14 अंकों के साथ सेमीफाइनल में क्वालीफाई करने वाली एकमात्र टीम है।

पाटा पिच पर इंग्लैंड ने शानदार शुरुआत करते हुए ओपनर जॉनी बेयरस्टो (111) और जेसन रॉय (57) की पहले विकेट के लिए हुई 160 रनों की साझेदारी की बदौलत सात विकेट पर 337 रन बनाए। मुहम्मद शमी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट लिए, लेकिन वह इंग्लैंड को 330 के पार जाने से नहीं रोक सके। लक्ष्य का पीछा करते हुए उप कप्तान रोहित शर्मा (102) और कप्तान विराट कोहली (66) ने थोड़ी बहुत कोशिश की, लेकिन पांच विकेट हाथ में होने के बावजूद महेंद्र सिंह धौनी (नाबाद 42) और केदार जाधव (नाबाद 12) भारत को जीत नहीं दिला सके। भारतीय टीम 50 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर सिर्फ 306 रन ही बना सकी। रोहित ने इस विश्व कप का तीसरा शतक लगाया। वह इस मामले में सबसे आगे हैं। (पेज-12 भी देखें)

हरियाणा में एक परिवार की तीनों बेटियों ने संभाला अफसरशाही का शीर्ष पद

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- केशनी आनंद बनीं हरियाणा की नई मुख्य सचिव, बड़ी बहन मीनाक्षी और उर्वशी भी निभा चुकी हैं यह जिम्मेदारी

कभी कोख में बेटियों की हत्या के लिए कुख्यात रहा हरियाणा आज बेटियों के लिए नजीर बना रहा है। एक परिवार की तीन बहनें अफसरशाही के शीर्ष पद पर बैठी। देश का पहला परिवार, जिसकी तीन बेटियों ने मुख्य सचिव बन प्रदेश के नीति-निर्धारक की भूमिका निभाई। महिला सशक्तीकरण की ऐसी मिसाल शायद ही किसी परिवार में मिले। हम बात कर रहे हैं हरियाणा की नई मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा की। जो परिवार की तीसरी बेटी हैं जो प्रदेश की अफसरशाही के शीर्ष पद पर बैठी है।

मुख्य सचिव डीएस ढेसी की रिटायरमेंट के बाद प्रदेश की 33वीं मुख्य सचिव बनी केशनी आनंद प्रदेश की पांचवीं ऐसी महिला हैं जो इस पद पर बैठेंगी। उनकी बड़ी बहन मीनाक्षी आनंद चौधरी को प्रदेश की पहली महिला मुख्य सचिव होने का गौरव हासिल है जो बाद में मुख्य सूचना आयुक्त भी रहीं।

हरियाणा की नई मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा (सबसे दायें) अपनी बड़ी बहन मीनाक्षी आनंद और उर्वशी गुलाटी के साथ। जागरण

प्रोमिला ईस्सर दूसरी महिला मुख्य सचिव बनी, जबकि केशनी आनंद अरोड़ा की ही बड़ी बहन उर्वशी गुलाटी तीसरी महिला मुख्य सचिव रहीं। सेवानिवृत्ति के बाद गुलाटी को राज्य सूचना आयुक्त बनाया गया था। इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा की रिश्तेदार शकुंतला जाखू चौथी मुख्य सचिव बनी और अब केशनी आनंद इस जिम्मेदारी को संभालेंगी।

केशनी के पिता डॉ. जगदीश चंद्र आनंद पंजाब विवि में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर थे, जो पाक से विस्थापित होकर यहां बस गए। उनकी बेटियों ने राजनीतिक विज्ञान में मास्टर डिग्री लेते हुए विवि में टॉप किया। सबसे बड़ी बेटी मीनाक्षी 1969 में आइएएस बन गईं। दूसरे नंबर की उर्वशी 1975 में आइएएस बनीं। दोनों बहनों ने जहां संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शीर्ष 20 में जगह बनाई, वहीं केशनी ने 1983 में सिविल सर्विस परीक्षा में दूसरा स्थान पाया। मीनाक्षी और केशनी ने डॉक्टरों से शादी की थी, जबकि उर्वशी ने हरियाणा कैडर के आइएएस अधिकारी से विवाह किया। मीनाक्षी के बेटे मनीष चौधरी और केशनी की बेटी श्रुति आइपीएस अधिकारी हैं।

केशनी आनंद बोलीं, प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने का लक्ष्य पेज>>4

उत्तर कोरिया में कदम रखकर ट्रंप ने चौंकाया किम को दिया व्हाइट हाउस आने का न्योता

द न्यूयॉर्क टाइम्स, सियोल : उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से दो विफल मुलाकातों के बाद रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ ऐसा किया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। उन्होंने न केवल किम से मुलाकात की, बल्कि पहले ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति भी बन गए जिसने पद पर रहते हुए उत्तर कोरिया की सीमा में कदम रखा। इस छोटी सी मुलाकात के नतीजे जो भी रहें, लेकिन ट्रंप ने कूटनीति के मोर्चे पर एक बड़ी लकीर जरूर खींच दी है। ट्रंप ने किम को व्हाइट हाउस आकर मुलाकात करने का न्योता भी दिया है।

शनिवार को ट्रंप ने अचानक ट्वीट कर किम से मिलने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था, 'मैं जापान से दक्षिण कोरिया के लिए रवाना होने जा रहा हूं। उत्तर कोरिया के चेयरमैन किम अगर इसे देखते हैं तो मैं उनसे सीमा पर मिलूंगा।' ट्रंप ने इसे अचानक आया हुआ विचार कहा था। उत्तर कोरिया ने इस न्योते को हाथों-हाथ लिया और इस ऐतिहासिक मुलाकात की पटकथा तैयार हो गई। ट्रंप ने दुनिया का सबसे खतरनाक हिस्सा कहे जाने वाले डीएमजेड (डीमिलिट्राइज्ड जोन) में किम से मुलाकात की। ट्रंप से मिलने की खुशी किम के हावभाव से झलक रही थी। उन्होंने ट्रंप से कहा, 'आपको फिर से देखकर खुशी हो रही है। मैंने कभी इस जगह आपसे मुलाकात की उम्मीद नहीं की थी।' ट्रंप ने भी इसे महत्वपूर्ण क्षण बताया। ट्रंप ने कहा, 'सीमा के इस ओर बुलाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे गर्व है कि मैंने इस लकीर को पार किया।' मुलाकात के दौरान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे इन भी उपस्थित रहे। उन्होंने ट्रंप की प्रशंसा करते हुए उन्हें कोरियाई प्रायद्वीप के लिए शांतिदूत बताया। (पेज-11 देखें)

पहला कदम

पनमुनजोम में स्थित असैन्य क्षेत्र में रविवार को उत्तर कोरियाई लीडर किम जोंग उन से मिलने पहुंचे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उत्तर कोरिया की धरती पर कदम रखने वाले ट्रंप पहले अमेरिकी नेता हैं। रायटर

एक देश, एक कर

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बाद से केंद्र और राज्यों के 17 अप्रत्यक्ष कर समाप्त हो गए, आज से शुरू हो रहा है जीएसटी की नई रिटर्न प्रणाली का परीक्षण

जीएसटी के दो साल, और सुधार की दरकार

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

'एक देश, एक कर' के नारे के साथ दो वर्ष पहले आज ही के दिन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लांच किया गया था। शुरुआती अड़चनें पार कर जीएसटी स्थिरता और स्थायित्व की ओर बढ़ा है, लेकिन सरलीकृत रिटर्न, निर्यातकों को त्वरित रिफंड और रियल एस्टेट व पेट्रोलियम उत्पादों को इस परोक्ष टैक्स प्रणाली के दायरे में लाने की चुनौतियों से पार पाना अभी बाकी है। जीएसटी की दूसरी सालगिरह पर सरकार सोमवार से नयी रिटर्न व्यवस्था का परीक्षण शुरू कर इसी दिशा में कदम बढ़ाने जा रही है।

वित्त मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा, जीएसटी का क्रियान्वयन शुरुआती महीनों में चुनौतियों के बिना नहीं हुआ है। व्यापार व उद्योग जगत के सहयोग से इन चुनौतियों का दृढ़ता से सामना किया गया और जीएसटी अब स्थिर हो गया है। मंत्रालय ने इन दो वर्षों को ग्रोइंग एंड शेयरिंग टुगेदर (जीएसटी) यानी एक दूसरे के साथ मिलकर बढ़ने का भाव करार दिया है। जीएसटी लागू होने के बाद से केंद्र और राज्यों के 17 अप्रत्यक्ष कर समाप्त हो गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जब घंटा बजाकर संसद के केंद्रीय कक्ष से इसकी शुरुआत की थी तब इसे गुड एंड सिंपल टैक्स करार दिया था। इस वर्ष मई तक जीएसटी में 1.35 करोड़ असेसी पंजीकृत हैं जिसमें से 17.74 लाख ने कंपोजीशन स्कीम लिया है।

देश में लागू है वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था। फाइल फोटो

जीएसटी के क्रियान्वयन में केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल ने अहम भूमिका निभायी है। काउंसिल 35 बैठकें कर एक हजार से अधिक निर्णय कर चुकी है लेकिन अब तक एक बार भी इसमें मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

जीएसटी का तीसरा साल बेहद अहम होगा। शुक्रवार से नई टैक्स प्रणाली का परीक्षण शुरू हो रहा है और यह पहली अक्टूबर से लागू हो जाएगा। आने वाले दिनों में कैश लेजर सिस्टम को तर्कसंगत बनाने और रिफंड जारी करने का सिंगल सिस्टम बनाने जैसे उपाय भी मूर्तरूप लेंगे। ई-इन्वॉयस सिस्टम, अपीलीय प्राधिकरणों की स्थापना, पंजीकरण के लिए सीमा सीमा बढ़ाकर 40 लाख रुपये करने जैसे निर्णय भी अमल में लाये जाएंगे।

इसके अलावा भी सरकार के समक्ष जीएसटी के मोर्च पर कई चुनौतियां होंगी। सबसे बड़ी चुनौती जीएसटी संग्रह बढ़ाने की है। जुलाई 2017 से मई 2019 तक के दौरान सिर्फ छह माह ऐसे रहे हैं जब जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये के पार गया है। चालू वित्त वर्ष में भी अब तक संग्रह अपेक्षानुरूप नहीं रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्यों को मिलकर जीएसटी की चोरी रोकने को ठोस कदम उठाने होंगे। इन उत्पादों को जीएसटी में लाने की चुनौती होगी जो फिलहाल दायरे से बाहर हैं। मनोरंजन टैक्स लगाने की शक्ति स्थानीय निकायों के पास है जबकि शराब पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों के पास है। वहीं पेट्रोलियम उत्पादों पर जीएसटी कब से लागू किया जाए, इस बारे में जीएसटी काउंसिल को निर्णय करना है।

आयकर छूट की बढ़ सकती है सीमा पेज>>10

आंकड़ों के आईने में जीएसटी

1.35 करोड़ असेसी पंजीकृत हैं इस वर्ष मई तक जीएसटी में

17.74 लाख असेसी ने ली है कंपोजीशन स्कीम

35 बैठकें हुई हैं जीएसटी काउंसिल की अब तक

1,000 से अधिक निर्णय कर चुकी है काउंसिल

01 बार भी मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी है

06 महीनों में जीएसटी संग्रह रहा है एक लाख करोड़ रुपये के पार

सबसे बड़ी चुनौती

जीएसटी संग्रह बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले 23 में से 17 माह में जीएसटी संग्रह लाख करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाया। शराब, मनोरंजन कर, रियल एस्टेट, कच्चा तेल, डीजल, पेट्रोल, प्राकृतिक गैस, एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने की चुनौती अभी सामने है।

यूपीपीएससी से चयनित सौ से अधिक अफसर सीबीआइ मुख्यालय तलब

राज्य ब्यूरो, प्रयागराज

- पीसीएस, एपीएस, समीक्षा और सहायक अधिकारी पद पर हैं चयनित
- आज से दिल्ली स्थित मुख्यालय पर होगी पूछताछ, दिया गया समन

उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में गड़बड़ी की जांच कर रही सीबीआइ उसकी परत-दर-परत खोलने में जुटी है। एक सप्ताह तक जांच करने के बाद सीबीआइ टीम रविवार सुबह दिल्ली रवाना हो गई। जाने से पहले पीसीएस, एपीएस व समीक्षा अधिकारी के सौ से अधिक चयनितों को समन देकर पूछताछ के लिए सोमवार को दिल्ली मुख्यालय बुलाया है।

यूपीपीएससी की एक अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 के बीच हुई परीक्षाओं व परिणामों की जांच करने सीबीआइ की टीम 24 जून को प्रयागराज आई। सीबीआइ के एडिशनल डिप्टी एसपी चंद्रदीप के नेतृत्व में पहले चक्र की जांच शुरू हुई। प्रशासनिक भवन व मशीन सेक्शन में आयोग के अधिकारियों व कर्मचारियों को बुलाकर उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ में पेपर बनाने, उसकी छपाई, कापियों के मूल्यांकन, नंबरों में हुए हेरफेर से जुड़े प्रश्न पूछे गए। साथ ही जांच के लिए नोडल अधिकारी बनाए गए आयोग के उपसचिव सत्यप्रकाश से पीसीएस 2011 व 2015, एपीएस 2010, राज्य अवर अधीनस्थ सेवा 2013, समीक्षा व सहायक समीक्षा अधिकारी 2014 परीक्षा कराने व भर्ती से जुड़ी फाइलें मंगवाकर पड़ताल की। कंप्यूटर में फीड डाटा की जांच की गई। जांची गई कापियों, अंक पत्र व प्रमाणपत्रों की पड़ताल में काफी गड़बड़ी सामने आई।

खुद गए समन देने : सीबीआइ जिसे पूछताछ के लिए बुलाती है, उसका समन पुलिस से भेजा जाता है, लेकिन इस बार सीबीआइ के सदस्य समन देने खुद गए। चयनित हुए अभ्यर्थी जहां-जहां मौजूदा समय में कार्यरत हैं, उन शहरों में सीबीआइ के सदस्य समन देने गए हैं।